वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 161 | रविवार 8 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

21 "मेगा जॉब फेयर" में 66 हजार युवक-युवतियों को हुआ जॉब ऑफर

कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग की ओर से जिला मुख्यालयों पर अब तक आयोजित हुए 21 जॉब फेयर में करीब 66 हजार युवाओं को नौकरी के ऑफर मिल चुके हैं। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री अशोक चांदना ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश में 100 "मेगा जॉब फेयर" लगाने की महत्वपूर्ण पहल की है।

जयपुर. कासं। बेरोजगारी की समस्या का समाधान करने की दिशा में मजबूत उपाय के रूप में शुरू किए गए ''मेगा जॉब फेयर'' बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए नौकरी हासिल करने का बेहतर जरिया बनकर उभरे हैं। कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग की ओर से जिला मुख्यालयों पर अब तक आयोजित हुए 21 जॉब फेयर में करीब 66 हजार युवाओं को नौकरी के ऑफर मिल चुके हैं। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्य मंत्री अशोक चांदना ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश में 100 ''मेगा जॉब फेयर'' लगाने की महत्वपूर्ण पहल की है। पहला जॉब फेयर पिछले साल 14 एवं 15 नवम्बर को जयपुर में आयोजित किया गया था। उसके बाद अब तक सात संभाग मुख्यालयों सहित 21 जिलों में मेगा जॉब फेयर सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें सबसे हाल का आयोजन गत 23 सितम्बर को सिरोही में किया गया। इन जॉब फेयर में 5 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण करवाया, जिनमें से 1.77 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। आईटी, फाइनेंस, कंस्ट्रक्शन सहित 15 क्षेत्रों की 100 से अधिक कंपनियों ने करीब 66 हजार युवक-युवतियों को उनकी योग्यता के मुताबिक नौकरी ऑफर की। शासन सचिव पी सी किशन ने बताया कि इन जॉब फेयर्स में करीब 24 हजार महिलाएं इंटरव्यू देने पहुंची, जिनमें से 6 हजार 753 महिलाओं को जॉब ऑफर हुई। जयपुर जॉब फेयर में शिखा दाधीच को सबसे ज्यादा 7 लाख 20 हजार रुपए सालाना का पैकेज मिला। उन्हें डॉट स्टार्क टेक्नोलॉजी कंपनी में बतौर सीनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर किया गया। उन्होंने बताया कि जॉब फेयर्स में सबसे ज्यादा संदीप कुमार को 9.24 लाख रुपए का जॉब मिला। उदयपुर जॉब फेयर में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने उन्हें यह नौकरी दी। इसी प्रकार जोधपुर जॉब फेयर में विवेक को सर्वाधिक 9 लाख रुपए वार्षिक का पैकेज मिला। पी सी किशन ने बताया कि इन जॉब फेयर की एक यह भी खासियत रही कि यह पूरी तरह पेपरलेस रहे। इनमें रजिस्ट्रेशन से लेकर शॉर्ट लिस्टिंग तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रही। आशार्थियों ने क्यूआर कोड से स्कैन कर जरूरी जानकारी भरकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया और आयोजन स्थल पर क्यूआर कोड को स्कैन कर ही अपनी हाजिरी लगा दी। कंपनियों ने इंटरव्यू लेकर शॉर्ट लिस्ट करने के बाद ई-मेल एवं फोन से ही अगले दौर के साक्षात्कार एवं ज्वॉइनिंग की सूचना दी।

दुनिया को बदलना है तो स्वयं पर विश्वास करना होगा: मुख्य सूचना आयुक्त

स्वामी विवेकानंद का जीवन चरित्र प्रेरणा का स्त्रोत-आत्मबल और आध्यत्मिकता से मिलती है सफलता

जयपुर. शाबाश इंडिया

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता ने कहा कि दुनिया को बदलना है तो स्वयं पर विश्वास करना जरूरी है। लक्ष्य को सावधानीपूर्वक तय करो और उस पर ध्येय बनाओ एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्यों निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि विचार दूर तक जाते है, शब्द गौण है। हमारी सोच हमारी दिशा तय करती है। डी.बी. गुप्ता शनिवार को यहां रामकृष्ण मिशन परिसर में रामकृष्ण मिशन के 125वें जयन्ती कार्यक्रम के समापन अवसर पर हमारे 'राष्ट्र के निर्माण में स्वामी विवेकानंद के योगदान' विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के संबंध में टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि दूसरों से अलग प्रयास करने की कोशिश करो एवं स्वय को जिज्ञासु बनाओं। उन्होंने रामकृष्ण मिशन परिसर की 1968 से 1976 की अपनी यादों का जिक्र किया। उन्होंने अपने दादाजी स्वर्गीय भूषण गुप्ता का जिक्र करते हुए अपने जीवन में उनके प्रभावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों ने बचपन में ही मुझे प्रभावित किया जिनके बल पर मै आगे बढ़ा। आयोजन के प्रारंभ में प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रीमती श्रेया गुहा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वामी विवेकानंद के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता के व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। रामकृष्ण मिशन दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वलोकानंद ने कहा कि भारत की आध्यत्मिकता एवं धर्म प्राण है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेते हुए कहा कि भारत फिर उठेगा, भारत फिर बढ़ेगा और वह अतीत के गौरव से भी आगे बढ़ेगा। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिग ने विश्व में भारत की अद्वितीय प्रतिभा का परिचय कराया है।

एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत में हुआ तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया

तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाणोत्सव के उपलक्ष्य में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के एमडी जैन इंटर कॉलेज ग्राउंड में 7 अक्टूबर को हुआ। राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ छोटे-छोटे बच्चों ने गुरू के चरणों में शीश नवाकर नमन किया और मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति के साथ किया। इसके बाद सौभाग्यशाली भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जलवन किया। राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी के दौरान श्रमण मुनिपुगंव श्री सुधा सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक वस्तु में एक प्रमेय गुण होता है जिसके कारण से वस्तु जानने में आती है। हम जान रहे है इतने मात्र से तुम ज्ञाता नही हो पाओगे जब तक वस्तु तुम्हारे लिए गुण प्रकट नहीं करेगी, आप जान नही पाएंगे। भगवान महावीर अपने आत्मा के स्वरूप में स्थित वो महाशक्ति थे जिन्होंने सृष्टि को कोई योगदान नहीं दिया। एक योगदान दिया जाता है और एक योगदान लिया जाता है। उन्होंने योगदान दिया नहीं है, हम सबने योगदान उनसे लिया है, प्राप्त किया है। प्रकृति ने प्राप्त किया है। पेड़ किसी को फल नहीं देगा फल हम उससे लेंगे, हमें ऑक्सीजन नहीं देगी हवाये, हम ऑक्सीजन लेंगे, गाय हमे दूध नही देगी, हम दूध लेगे। ये सब योगदान दिया नही जा रहा है, योगदान हम लेते है। पहला तो हमे योगदान लेने की कला आना चाहिए क्योंकि महान शक्तियाँ किसी को योगदान देना ही नही चाहती क्योंकि वो अपने आप में इतने आनंद में चली जाती है कि दुनिया से बेखबर हो जाते है। शुद्धो पयोग की ऐसी दशा हो जाती है, वे तो अरिहंत भगवान है। ध्यान में बैठे हुये साधु का वर्णन मूलाचार में किया कि तीर से घायल हिरण मुनिराज की गोदी में गिर गया, त्राहि त्राहि कर रहा है, मुनिराज को खबर ही नही है कि कोई हमारी गोदी में पड़ा है। अब हमें लेना था तो हमारे आपके पुण्य ने भगवान का ऐसा परिणमन करा दिया। शब्द वर्गणायें, पुद्गल वर्गणायें जो शब्द रूप परिणित हो रही है, ये भगवान के अतिशय से नही, ये भक्तो की निमित शक्ति के चमत्कार से होती है। हमारा पुण्य पुद्गल वर्गणाओं को भगवान के पास भेज रहा है। जो बुद्धि पूर्वक बोल रहा है, जान रहा है, जिनके अनुभव में आ रहा है कि मैं देख रहा हूं जान रहा हूँ वो सर्वज्ञ की कोटि में नहीं आता। जो ना जान रहा है न अनुभव में आ रहा है उसके बाबजूद भी जो उसका कथन हो रहा है वह समीचीन हो रहा है उसको आप्त बोलते है। जो आज कल हमारे पास जो कुछ भी है सब हमारा है, हमारे लिए है लेकिन इसकी प्रमाणिकता सर्वज्ञ है, जब तक सर्वज्ञ से ये शब्द वर्गणायें स्पर्शित नही होगी वो समीचीन नही हो सकती है, शब्द तो बन सकती है, सत्य को उद्घाटित नही कर सकती। तब जब दुनिया मे उस चीज को जानने के लिए लोग आकुल- व्याकुल होते है, जो वे इन्द्रिय मन ज्ञान से नही जान पाते है ऐसी आकुलता की योग्यता जब हममें जागती है तब इस जिनवाणी का निर्माण होता है। तीन बातें जानना भगवान ज्ञेय को जानते है, ज्ञेय उनका स्व है, आत्मा है, ज्ञेय को वे जानते नही है, पर ज्ञेय उनके ज्ञान में झलकते है। दर्पण जानता नही है, दर्पण में झलकता है, वो जानते नही है, झलक रहे है उनके ज्ञान में। महावीर भगवान से अधिक योगदान आदिनाथ भगवान ने दिया क्योंकि तीर्थंकर की परंपरा से अलग हटकर के षटकर्म का उपदेश दिया। किसी भी तीर्थंकर संहिता में नही आता कि संसार बढ़ाने का उपदेश दो। किसी भी तीर्थंकर ने तलवार चलाना, खेती करना नही सिखाया लेकिन ऋषभदेव तीर्थंकर ने षट्कर्म सिखाकर इस जगत के कल्याण के लिए योगदान दिया। दूसरा गोवर्धन मुनिराज ने अपने समस्त प्रोटोकॉल छोड़कर संस्कृति की रक्षा के लिए आगे आने वाले जीवों के पुण्य के परिणाम स्वरूप स्वयं जाकर के एक बालक की एक ग्रहस्थ से याचना की, जिस खुद से पढ़ाया, लिखाया और जगतपूज्य भद्रबाहु स्वामी बनाया। भद्रबाहु स्वामी जी ने भी बहुत मेहनत करके यह ज्ञान अपने शिष्यों को दिया और अंत मे सबसे बड़ा योगदान परम पूज्य धरसेन स्वामी का यदि वो ज्ञान देकर चले जाते तो हम सब विस्मित हो जाते। हमारा पास कुछ नही बचता, हम यही के यही भूल जाते कि क्या कहा और उससे भी बड़ा प्रथम योगदान पुष्पदन्त, भूतवली महाराज का। मौखिक ज्ञान को उन्होंने लिपिबद्ध करके जो अनन्त उपकार किया है, 2050 वर्ष का सबसे बड़ा योगदान उनका है। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में बाहर से आये हुए विद्वान का दुपट्टा एवं माला पहनकर स्वागत सम्मान कियो मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में त्रिवदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी अखिल भारतीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद का खुला अधिवेशन 10 अक्टूबर तक चलेगा जिसके अन्तर्गत महान विद्वान अपने आलेख और विचारों के माध्यम से समाज के कल्याण हेतु संगोष्ठी करेंगें। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, नीरज जैन जिनवाणी, जगदीश प्रसाद जैन, हीरालाल बैनाड़ा, मनोज जैन बाकलीवाल, विवेक बैनाड़ा, पन्नालाल बैनाड़ा, निर्मल मोठया राजेश जैन सेठी, अमित जैन बॉबी, विभु बैनाड़ा, ललित जैन कारपेटवाले, यतीन्द्र जैन, अनिल जैन, नरेश जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन, पंकज जैन, राहुल जैन पश्चिमपुरी, शैलेंद्र जैन दीपक जैन, अंकेश जैन, सचिन जैन, राजेश जैन, समकित जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

ऋषभ विहार दिल्ली में मनाया गया राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महामुनिराज का 47वा अवतरण दिवस

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। राजेश जैन दद्दू इंदौर ने बताया कि इंदौर से भी आचार्य श्री के भक्त भी पहुंचे । सह कार्यालय मंत्री युवा मोर्चा भाजपा दिल्ली प्रदेश राहुल जैन आदि प्राकृत ज्ञान केसरी आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज सहसंग के दर्शन व आचार्य श्री के 47वे अवतरण दिवस के कार्यकर्म में शामिल होने पहुंचे। वीरेन्द्र सचदेवा ने गुरुदेव को नमन कर दर्शन विभोर होकर सुनील जैन प्रधान व ऋषभ विहार जैन समाज को धन्यवाद किया। विष्णु मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन मेरा भी जन्मदिवस हैं । इस दिन गुरुदेव के दर्शन व आशीर्वाद से में धन्य हो गया । प्राकृत ज्ञान केसरी आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज ने सभी को आशीर्वाद दिया । आकाश जैन सदस्य जैन समाज ने बताया की पूरे देश से इंदौर सहित विभिन्न राज्यों से गुरुभक्त दर्शन हेतु आज ऋषभ विहार पधारे । विजय जैन चेयरमैन व विपुल जैन महामंत्री द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान व स्वागत किया गया ।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का क्षमावणी कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का क्षमावणी कार्यक्रम राज गार्डन मानसरोवर में संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन ने बताया कि सभी क्षमावणी के पावन अवसर पर एक दूसरे से गत वर्ष हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना की साथ ही त्यागी वृत्तियां का सम्मान भी किया गया। ग्रुप सचिव राजेंद्र जैन ने बताया कि नॉर्थ ग्रुप को स्थापना के 21 वर्ष में प्रवेश होने पर संस्थापक अध्यक्ष मनीष किरण झांझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय अंजना गंगवाल एवं पूर्व अध्यक्ष संजय संगीता जैन का साफा माला एवं मोमेंट देकर सम्मान किया। मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम में अंडर आर्म क्रिकेट मैच का आयोजन भी किया जिसके कॉडिनोटर संदीप आरती रहे विजेताओं को ट्राफी से सम्मानित भी किया। आकर्षक बंपर हाऊजी के पारितोषिक संस्थापक अध्यक्ष मनीष किरण झांझरी द्वारा दिए गए एवं लकी ड्रा के पारितोषिक राहुल रश्मि जैन अध्यक्ष द्वारा दिए गए। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ एवं वर्ल्ड कप क्रिकेट पर आधारित प्रश्नोत्तरी के पारितोषिक संजय संगीता जैन द्वारा दिए गए।

वेद ज्ञान

जीवन में भय का कारण

जीवन क्षण-भंगुर है। प्रायः प्राणी को मृत्यु से भय-लगता है। एक वृद्ध लकड़हारा जंगल से लकड़ियां काटकर ला रहा था। शारीरिक दुर्बलता उसे सता रही थी। चला भी नहीं जाता था। बाजार दूर था। उसने लकड़ी के गट्ठर को सड़क के किनारे रख दिया। लकड़हारे को अपनी असमर्थता पर क्रोध आ रहा था। उसने झुंझलाते हुए कहा, आह! इस कष्ट से अच्छा था कि मेरा काल आ जाता। सहसा उसके सामने एक बलिष्ठ युवक आ खड़ा हुआ। वृद्ध लकड़हारे ने युवक से पूछा- तुम कौन हो और क्या चाहते हो। युवक ने कहा- मैं तुम्हारा काल हूं। अभी-अभी तुमने मुझे याद किया था। सो आ गया हूं। लकड़हारे को अपने वृद्ध-जर्जर शरीर का मोह होने लगा। इसलिए वह बोला, ठीक है। जब आप आ ही गए हो तो इस गट्ठर को बाजार तक पहुंचा दो। कहने का आशय यही है कि शरीर कितना ही जर्जर क्यों न हो जाए, उसके प्रति मोह बना ही रहता है और मृत्यु से भय लगता है। जीवन में भय के अन्य अनेक कारण हैं, किंतु मृत्यु-भय-सर्वाधिक व्याप्त है। आज का जीवन निरापद नहीं है। पग-पग पर भय मंडराता दिखायी देता है। इसका मूल कारण मोह है। हम जिसको अपना मान लेते हैं, उसके प्रति मोह उत्पन्न हो जाता है और फिर प्रतिक्रियात्मक रूप से उन्हें खो देने का भय प्रकट हो जाता है। वैराग्य शतक में कहा गया है- सांसारिक भोगों में रोगों का डर है, अच्छे कुल (कुलीनता) में उसके पतन का भय बना रहता है। अधिक धन होने पर राजा का भय होता है, मौन धारण करने से दीनता का भय बना रहता है, बाहुबली को शत्रुओं का भय होता है और सुंदरता में वृद्धावस्था का भय होता है। शास्त्रज्ञ को वाद-विवाद का भय है, गुणी को दुष्टों का भय है और काया को नाश हो जाने का भय है। इस प्रकार संसार की सभी वस्तुओं के प्रति मनुष्यों में भय व्याप्त रहता है। हां, केवल वैराग्य में निर्भयता है। वैराग्य के लिए सर्वप्रथम तीन-तथ्यों को विश्वास के साथ अभ्यासपूर्वक मन में सदैव दृढ़ करना पड़ता है। जैसे यह देह, आत्मा नहीं है। देह यहीं से प्राप्त होती है और यहीं रह जाती है।

संपादकीय

प्राकृतिक आपदाएं और तबाही

उत्तरी सिक्किम में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से मची तबाही चिंतित करने वाली है। वहां ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है। सड़कें तो टूटी ही हैं, सैन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। तीन-चार अक्तूबर की दरमियानी रात में दक्षिण ल्होनक झील पर बादल फट गया था जिससे तीस्ता नदी बेसिन में बाढ़ आ गई। बाढ़ में बह गए लोगों में से 14 की मौत हो गई और 22 सैन्य कर्मियों समेत 102 लोग लापता हो गए। स्वाभाविक रूप से अभी सबसे ज्यादा ध्यान लापता सैनिकों व अन्य की तलाश करने और यह सुनिश्चित करने पर दिया जा रहा है कि जहां भी जरूरी हो जल्द से जल्द मदद पहुंचाई जाए। ऊपरी इलाकों में लगातार बारिश से जलस्तर बढ़ रहा है। राहत एवं बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है। कई जगह रास्तों में पर्यटक फंसे हुए हैं। उत्तरी सिक्किम का यह प्रभावित इलाका भारत-नेपाल सीमा के करीब पड़ता है। भौगोलिक तौर पर इस जगह को संवेदनशील बताया जाता रहा है। दो साल पहले एक अध्ययन में चेताया गया था कि भविष्य में सिक्किम में दक्षिण ल्होनक झील फट सकती है। वर्ष 2021 में हुआ अध्ययन जर्नल जियोमोफोर्लाजी में प्रकाशित हुआ था। इसमें रेखांकित किया गया था कि दक्षिण ल्होनक झील का स्तर हिमनद के पिघलने की वजह से बीते एक दशक में खासा बढ़ा है और हिमनद झील के फटने से बाढ़ (जीएलओएफ) का खतरा बढ़ गया है। हिमनद झील के फटने से बाढ़ तब आती है जब हिमनद के पिघलने से बनी झील में अचानक बाढ़ आ जाए। अध्ययन के मुताबिक, 1962 से 2008 के बीच 46 साल में हिमनद करीब दो किलोमीटर पीछे हट गए हैं और यह 2008 से 2019 के बीच तकरीबन चार सौ मीटर और पीछे चले गए हैं। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के मुताबिक, सिक्किम में 733 हिमनद झीलें हैं और 288 झीलें 5000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित हैं। दक्षिण ल्होनक झील समुद्र तल से 5200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह झील ल्होनक हिमनद के पिघलने से बनी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू के शोधार्थियों ने पाया है कि ये झीलें मुख्यतः सुदूर और पर्वतीय घाटियों में स्थित हैं लेकिन निचले बहाव क्षेत्र में 10 किलोमीटर तक जान और माल का नुकसान कर सकती हैं। शोध रिपोर्टों में लगातार चेतावनी दी जाती रही है कि वर्तमान और भविष्य में हिमनद टूटने से होने वाले परिवर्तनों से जुड़े खतरे का मूल्यांकन करना जरूरी है। इसी साल मार्च महीने में संसद में पेश की गई एक रपट में बताया गया था कि हिमालय के तमाम हिमनद अलग-अलग दर से, लेकिन तेजी से पिघल रहे हैं और इस वजह से हिमालय की नदियां किसी भी समय बड़ी प्राकृतिक आपदा का कारण बन सकती हैं। यह सही है कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक मसला है और किसी एक देश की सरकार अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकती।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

संसदीय परंपरा...

संसद जैसी लोकतांत्रिक संस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखना सांसदों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। उनकी बेदाग छवि एवं सुचितापूर्ण व्यवहार लोकतंत्र की सफलता की एक शर्त माना जाता है। विशेषकर जब वे जनता के बीच हों, तो उनके आचरण को लेकर ऐसी अपेक्षा की जाती है कि वह दूसरों के लिए भी मिसाल बनें। संसदीय परंपरा के ये मानक राजनीति के पथ पर अब धूमिल पड़ते जा रहे हैं। बेदाग राजनीति का दम भरते हुए सार्वजनिक जीवन में कदम रखने वाले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आचरण संबंधी मानकों पर नए सिरे से विचार की मांग करती है। आखिर नीतिगत स्तर पर ऐसा क्या हुआ कि जनप्रतिनिधियों को भी जेल जाना पड़ रहा है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र के हिंगोली से शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल ने जिस तरह डाक्टर शंकरराव चव्हाण शासकीय चिकित्सकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल के कार्यवाहक डीन से शौचालय साफ कराया, वह निहायत ही आपत्तिजनक तो है ही, सांसद जैसे पद की गरिमा के बिल्कुल विपरीत है। होना तो यह चाहिए था कि बा-हैसियत सांसद अस्पताल प्रशासन के साथ बैठकर उन कमियों को दूर करने पर विचार-विमर्श करते, जिनकी वजह से अस्पताल में नाहक दर्जनों लोगों की जान चली गई। लेकिन उन्होंने सड़कछाप हेकड़ी दिखाने का रास्ता चुना और वरिष्ठ चिकित्सक को नीचा दिखाया। चिकित्सक की शिकायत पर पाटिल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी इस मामले में मुख्यमंत्री शिंदे से सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सांसद के आचरण के कारण अस्पताल में व्यवस्थागत मुद्दा पीछे छूट गया। यह बात अकेले सांसद हेमंत की नहीं है। पिछले दिनों संसद में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी की बसपा के सांसद के खिलाफ बहुत ही आपत्तिजनक टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से निकालना पड़ा था। संसदीय जीवन की सर्वोच्च परम्परा को बनाए रखने के लिए सांसदों से सदन के अंदर और बाहर दोनों ही जगह सम्मानपूर्ण आचरण की अपेक्षा की जाती है। सांसदों का व्यवहार तो ऐसा होना चाहिए, जिससे संसद की गरिमा बढ़े और आम लोगों पर उसका सकारात्मक असर हो। लेकिन हमारी संसद में ऐसे सांसदों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है, जिनका व्यवहार सवालों के घेरे मेंहोता है। पिछले दिनों आई एडीआर की रपट इसका जीता-जागता उदाहरण है। क्या ऐसा सांसद अपने मतदाताओं की उम्मीदों पर खरा उतर सकता है, जिसका व्यवहार ही उनके प्रति सम्मानजनक न हो। संसद सदस्य जैसे प्रतिष्ठित पद पर बैठे व्यक्ति की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और संसदीय शासन व्यवस्था में उनके विश्वास को मजबूत करने की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। यदि इन मानकों का पालन नहीं होता है तो यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। चारित्रिक नैतिकता, उत्तरदायित्व और औचित्यपूर्ण आचरण किसी भी जनप्रतिनिधि के व्यक्तित्व को निखारने का काम करता है, उस पर जनता का भरोसा बढ़ाता है। जनप्रतिनिधियों के आचरण का स्तर जिस प्रकार गिरता जा रहा है, उससे तो जनता का भरोसा लोकतंत्र से उठता जाएगा।

"मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ"

परिचर्चा डॉक्टर अनामिका पापडीवाल के साथ मंगलवार, 10 अक्टूबर को

जयपुर। वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा निशुल्क मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर मालवीय नगर जयपुर पर डॉ अनामिका पापड़ीवाल काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट द्वारा किया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि शिविर का समय 10 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक रखा गया है। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि इसमें आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं, डिप्रेशन, चिंता, तनाव, नेगेटिविटी, ओवरथिंकिंग, नींद की समस्या, OCD, ADHD, PTSD, एडिक्शन जैसी मानसिक समस्याओं के अतिरिक्त परिवार, व्यवहारिक, वैवाहिक, वैवाहिक पूर्व, सीनियर सिटीजंस, विद्यार्थी और कार्य क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के लिए भी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और बिना किसी दवा के केवल परामर्श द्वारा समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है जान सकते हैं।

दशलक्षण पर्व मनाया धूमधाम से

जयपुर.शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में इस बार दशलक्षण पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया गया । पिछले साल की तरह इस साल भी जॉइंट सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता एवं दशलक्षण पर्व के संयोजक दीपक सेठी की जोड़ी ने हर कार्यक्रम का मैनेजमेंट शानदार तरीके से किया । जिससे कि मंदिर प्रांगण में हुए दस दिवसीय कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करते हुए ऐतिहासिक रूप में बदल दिया । सह सचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में आचार्य सुनील सागर जी महाराज के आशीर्वाद से ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी एवं जय श्री दीदी के सानिध्य में दशलक्षण पर्व मनाया गया । दशलक्षण पर्व संयोजक दीपक सेठी ने बताया कि इस बार प्रतिक्रमण, ब्रह्मचारी दीदी का प्रवचन, प्रसन्न मंच एवं अभिषेक, शांति धारा, पूजन ,चतुष्कोण कलश , महाआरती, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के पहले से ही पुण्याजक परिवार के नाम तय कर लिए गये । समाज सहसचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि इस बार सुगंध दशमी पर झांकी एवं अनंत चतुर्दशी, क्षमावाणी पर्व एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गये । समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस, सचिव सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारसमल छाबड़ा ने इस अवसर पर दीपक सेठी एवं नरेश जैन मेड़ता के कौशल प्रबंधन एवं कार्यकारिणी टीम एवं महिला मंडल अध्यक्ष सरला बगड़ा एवं सेक्रेटरी अलका पांडया सहीत सभी सदस्यों के द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा की एवं उनका आभार व्यक्त किया ।

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकेडमी के 10 खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक

कोटा. शाबाश इंडिया। 67 वी जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 7 अक्टूबर को आर्केडिया अकैडमी पब्लिक स्कूल कोटा में किया गया जिसमें कोटा के कई स्कूल और अकेडमी के बच्चों ने भाग लिया। कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकेडमी के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अंडर 17 व अंडर 19 वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकेडमी ने 9 गोल्ड मेडल 7 सिल्वर, 7 ब्रोंज मेडल जीतकर चैम्पीयनशिप अपने नाम की। अंडर 17 में रिदम शर्मा, मनमित सिंह,राजकुमार राठौर, देवराज बंसल,हर्षिता राठौर व अंडर 19 में हर्षित शर्मा,इशिका चौहान, प्रशस्त श्रीवास्तव,विक्रम ने गोल्ड मेडल जीते व सिल्वर मेडल विजेता तिशा मालपानी, शिखर चंदेल,भूमिका, रुद्राक्ष, रुद्रांशी, अयॉन्श, प्रणय, ब्रांज मेडल विजेता दैविक सिंगल, दिव्यांश राधिका गौरव अनुराग अर्पित, गजल। शिवज्योति, माँ भारती, डीपीएस , डीडीपीएस व राजकीय गॉरमेंट स्कूल आदि ने भाग लिया ।कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकैडमी के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि मेडल ना सिर्फ.जीत का प्रतीक है बल्कि कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। विजेता खिलाड़ी 14 से 19 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए सीकर जाएंगे। इस अवसर पर गॉरमेंट कोच ललित भट्ट व अभिषेक कुमार विपिन भाटी, डीके शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

गोठी स्कूल ने जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता जीतकर अपना परचम लहराया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्यावर के विद्यार्थियों ने मंगल न्यूटन में आयोजित जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में पहली बार भाग लेकर सभी प्रतिद्वंदियों को पराजित करते हुए अपने सभी लीग मैच जीतकर फाइनल में रायपुर को एकतरफा मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता में विद्यालय के 16 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसका नेतृत्व ध्रुव सिंह ने किया। टीम के साथ आश्वादित्य आर्य टीम मैनेजर थे। गोठी स्कूल की टीम ने सेमीफाइनल मैच में भगत सिंह स्कूल, बर को 45 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी जिसमे ध्रुव ने 50 रन की कप्तानी पारी खेली और नीलेश मंडोरा ने 3 विकेट लेकर टीम को जिताया। इसी तरह फाइनल मैच में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुर के सामने शानदार बैटिंग करते हुए नीलेश मंडोरा के 35 रन की बदौलत गोठी स्कूल ने 10 ओवर में 76 रन का लक्ष्य दिया जिसमे फिर से ध्रुव सिंह ने कप्तानी पारी खेलते हुए विपक्षी टीम के 6 विकेट चटकाकर जीत दिलाई और ट्रॉफी गोठी स्कूल के नाम कर ली। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर सी लोढा,नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा, प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा, उप प्राचार्या श्रीमती सुनीता चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

सामोद पदयात्रा पहुंची, वार्षिक मेला आज 8 अक्टूबर को

चौमूं. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के तत्वावधान में नया बाजार स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर चौमूं से पदयात्रा रवाना होकर सामोद स्थित श्री शांतिनाथ के दरबार में पहुंची। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बडजात्या ने बताया की शांतिनाथ मंदिर चौमूं से बड़े बुजुर्ग महिला पुरुष जयकारों के साथ सामोद के लिए पदयात्रा रवाना हुई जो शांतिनाथ भगवान के दरबार नाचते गाते हुए सामोद मंदिर जी पहुंचे । जहां पर वात्सल्य भोज के बाद शाम को आरती णमोकार भजन नृत्य आदि रंगारंग कार्यक्रम हुए। आज 8,अक्टूबर को यहां वार्षिक मेला होगा जिसमें आसपास के सभी क्षेत्रों से काफी संख्या में लोग इस मेले में शामिल होंगे। प्रातः कालीन अभिषेक शांति धारा 24 महाराज पूजन शाम को अभिषेक माल डाक इत्यादि कार्यक्रम संपन्न होंगे। पदयात्रा में जैन समाज अध्यक्ष राजेंद्र जैन, मंत्री राजेंद्र पाटनी, अनिल जैन, हीरालाल जैन अजय बाकलीवाल, चिराग सोगानी, दीपक जैन, पदमचंद जैन, सुनीता जैन, चंदा देवी, ऋतु जैन सहित काफी संख्या में श्रावक मौजूद थे। कार्यक्रमों में बच्चे बड़े बुजुर्ग में काफी उत्साह था ।

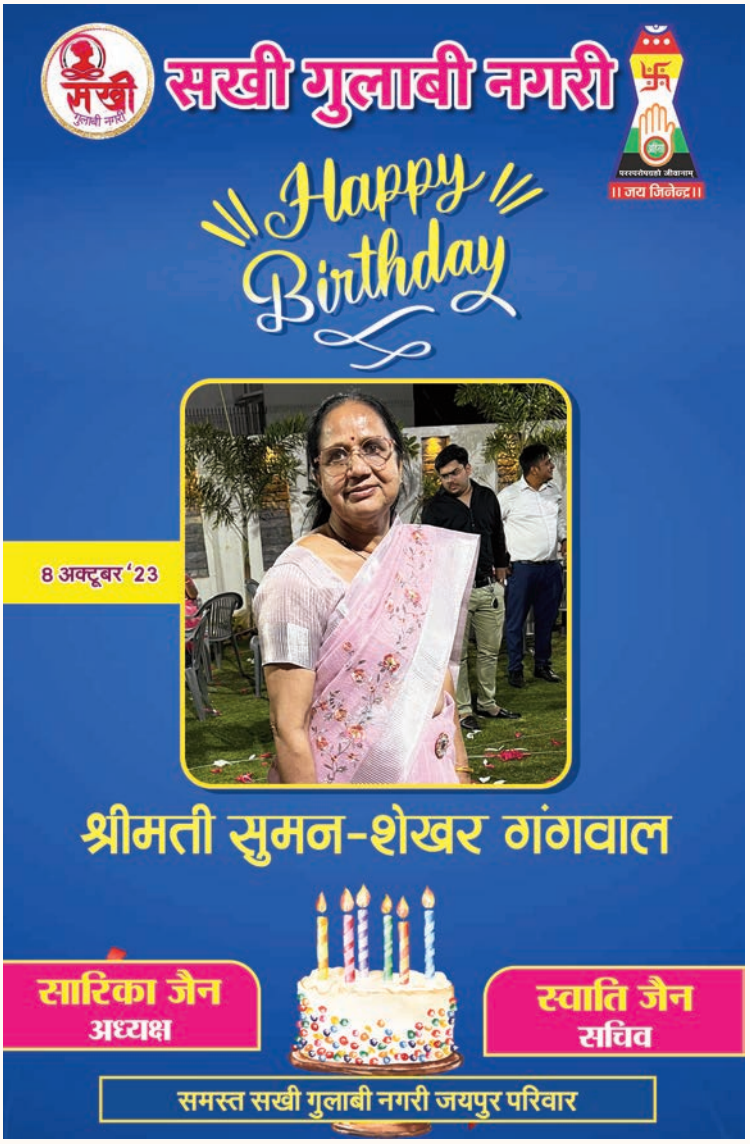

विद्या निलय पाठशाला रामपुरा का वार्षिक उत्सव अपार उत्साह और श्रद्धा भक्ति समर्पण के साथ मनाया

कोटा. शाबाश इंडिया। मां चंबल नदी के तट पर बसी शिक्षा की काशी धर्मप्राण नगरी कोटा के सन्त भवन में आयोजित धार्मिक विचित्र वेशभूषा प्रतियोगिता में 45 प्रतियोगियो ने भाग लेकर शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पांच वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक के कलाकारों ने बहुत ही सुन्दर प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलित श्रीमति पदमा सेठी कैलाश भवन एवं रिखब चन्द चांदवाड श्रीमति सुनीता चांदवाड परिवार एवं पीयूष बज श्रीमति कविता बज ने किया। मंगलाचरण में भक्ति से नृत्य करके कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। छोटे छोटे पाठशाला के बच्चों ने जैन धर्म पर आधारित प्रस्तुतियां दी तों सारे दर्शकों ने करतल ध्वनि से सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक जिनेन्द्र पापडीवाल ने बताया कि छोटे-छोटे बच्चों की प्रतियोगिता की गई जिसमें 3 निर्णायक बनाए गए अभिषेक शास्त्री, श्रीमति बीना जैन, श्रीमति अंजु कासलीवाल ने प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों की घोषणा की। सभी बच्चों और बड़ों को सांत्वना पुरस्कार वितरित किए गए। श्रीमति सुशीला दुगेरिया ने सभी का स्वागत किया और आभार प्रकट किया। राकेश चपलमन ने मंच संचालन में सहयोग प्रदान किया। सभी व्यवस्था समिति के सदस्यों ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया दस उपवास करने वाली श्रीमति शोभा का भी सम्मान किया गया। श्री दिगम्बर जैन यात्रा संघ रामपुरा और सुरेश सामरिया परिवार की ओर से शोभा को माला दुपट्टा और शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। संकलन : पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा

अंकलंक स्कूल एसोसिएशन को 92000 स्क्वायर फिट भूमि आवंटन करने पर समाज जन ने आभार जताया

कोटा. शाबाश इंडिया

शैक्षणिक एवं धार्मिक नगरी कोटा के जननेता एवम राजस्थान सरकार के स्वायत्य शासन मंत्री शान्तिकुमार धारीवाल के सकारात्मक प्रयासों से अकलंक स्कूल एसोसिएशन, कोटा को कोटा के विवेकानन्द नगर में लगभग 92000 र०।३ भूमि का आवंटन किया गया। सम्पूर्ण जैन समाज कोटा के लिए ये अत्यधिक हर्ष का विषय है। सकल दिगंबर जैन समाज कोटा की और से विमल कुमार जैन 'नान्ता' एवं विनोद जैन 'टोरडी ने धारीवाल का आभार जताया। इस भूमि आवंटन के लिए सभी ने प्रयास किये विशेष रूप से श्री सकल दिगम्बर जैन समाज, कोटा के कार्याध्यक्ष जे. के. जैन. और अकलंक स्कूल एसोसिएशन, कोटा के अध्यक्ष विकास अजमेरा ने सतत प्रयास से यह संभव हुआ।

श्रीमाल जैन जगृति संस्था का सामूहिक गोठ एवं क्षमावाणी आज 8 अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था का सामूहिक क्षमावाणी, गोठ, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं ऋद्धि मंत्रों से भक्तामर दीप अर्चना का कार्यक्रम आज रविवार 8 अक्टूबर को मुरलीधर राणा जी की नसिया चूलगिरी जयपुर में पूरे भक्तिभाव एवं श्रद्धा के साथ आयोजित किया जाएगा। संस्था के सचिव डॉ इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि श्रीमाल जैन जगृति संस्था के द्वारा रिद्धि मंत्रो द्वारा भक्तामर दीप अनुष्ठान जैन भजनों की संगीतमयी प्रस्तुति के साथ किया जाएगा । साथ ही समाज के 80 वर्ष से ऊपर के वृद्धजनों को, भाद्रपद माह में उपवास करने वाले त्यागी तपस्वियों को, विशिष्ट योग्यता से परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होने वाले मेघावी छात्रों को व संस्था के द्वारा जयपुर से बाहर के विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों को भी सम्मान किया जाएगा। दस लक्षण महापर्व के समय संस्था के द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन धार्मिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा ।

मनःस्थिति ही परिस्थिति की जननी है: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को उपदेश देते हुए कहा कि जैन दर्शन के कर्म सिद्धांत को लेकर आज विदेशों में रिसर्च चल रहा है । बड़ी - बड़ी पिक्चर , बड़ी - बड़ी पुस्तक मात्र उस पर लिखी गई है कि जैसी तुम्हारी सोच, जैसी तुम्हारी मनःस्थिति होगी आने वाले समय मे तुम्हारी परिस्थिति भी वैसी ही होगी । आपकी मानसिकता दूसरे को प्रभावित करती है। आपकी मानसिकता, आपके मन से निकले हुये विचार , परिणाम आने वाले कार्य पर नियम से विपरीत या अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं। दुःखों से उभरना है तो पहले हमें अपनी मानसिकता को बदलना होगा। दिगम्बर जैन समाज पीपलू की पदयात्रा के यात्रियों ने विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर पधारकर शांतिनाथ भगवान की आरती एवं आराधना करने का आनन्द लिया। इसी के साथ दिगम्बर जैन समाज निवाई से पधारे हुये पदयात्रियों

ने गुरु माँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। आगामी 15 - 24 अक्टूबर 2023 को नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत दस दिवसीय महार्चना (विधान) एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का महाआयोजन होगा । जिसमे प्रत्येक दिन एक - एक समाज एवं परिवार द्वारा महानुष्ठान सम्पन्न कराया जायेगा।

समय की साधना आत्मा और जीवन की साधना है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। समय की साधना जीवन और आत्मा की साधना है। शनिवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रोताओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि खोई दौलत फिर से कमाई जा सकती है। पर खोया हुआ व्यक्ति का समय किसी प्रकार नहीं लौट सकता, उसके लिए केवल पश्चाताप ही शेष रह जाता है। जो मनुष्य समय का मूल्य समझता है वही समय का सदुपयोग करता हैं परन्तु अधिकांश लोग आलस्य और प्रमाद में पड़े हुए जीवन के बहुमूल्य क्षणों को यों ही बर्बाद और नष्ट कर देते है। इंसान के पास बेकार की बातों केलिए तो समय है पर साधना और आराधना के करने के लिए वक्त नहीं है समय के निकल जाने के बाद हांथ मलने के अलावा कुछ नहीं बचने वाला है संसार की सारी दौलत देने के बाद भी मनुष्य एक क्षण नहीं खरीद सकता है। जीवन व्यवस्था के लिए समय रूपी बहुमूल्य उपहार परमात्मा ने हमे यह शरीर दिया। इसका एक-एक क्षण एक-एक मोती के समान कीमती है जो इन्हें बटोरकर रखता है सदुपयोग करता है वह यहां सुख प्राप्त करता है। गंवाने वाले व्यक्ति के लिए वक्त ही मृत्यु है। वक्त के दुरुपयोग से जीवनी शक्ति का दुरुपयोग होता है और मनुष्य जल्दी ही काल के गाल में समा जाने वाला है। संसार में मानव भव मिलना दुर्लभ है इसे यूही व्यर्थ ना गवाएं। दुबारा से मानव भव मिलना कठिन है।

जैसवाल जैन समाज की 500 प्रतिभाओं को आज मिलेगा समाज गौरव सम्मान मुरैना जिले से छात्र-छात्राएं दिल्ली रवाना

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। देश की राजधानी दिल्ली में आज जैसवाल जैन समाज का ऐतिहासिक प्रतिभा सम्मान समारोह एवं क्षमावाणी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा देहली में जैसवाल जैन समाज का अब तक का यह सबसे बड़ा प्रतिभा सम्मान समारोह होगा । इस आयोजन में सम्मिलित होने के लिए आज अंबाह मुरैना सहित जिले भर के जैन समाज की प्रतिभाओं के लेकर बस अंबाह से दिल्ली के लिए रवाना हुई यहां एक मंच पर एक साथ पांच सो से अधिक टॉपर्स को सम्मानित किया जाएगा। जानकारी देते हुए कार्यक्रम के पदाधिकारी कमलेश जैन सीए ने बताया कि रविवार 8 अक्टूबर को जैसवाल जैन प्रतिभा सम्मान टीम, सेवा न्यास परिवार एवं समस्त जैसवाल जैन समाज दिल्ली एनसीआर द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम अगस्त क्रांति मार्ग नई दिल्ली में किया जा रहा है। प्रातः काल 9:00 बजे प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएगा। इसी बीच कार्यक्रम के बीच में ही 11:00 बजे चरण स्पर्श कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर राहुल कपूर जैन मौजूद लोगों को संबोधित करेंगे। समारोह में बोर्ड परीक्षा में अधिक नम्बर प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। जैन के अनुसार इस आयोजन में उन प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। जैन ने आयोजन के बारे में बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए नौवीं क्लास से ही बच्चे और अभिभावकों की तैयारी शुरू हो जाती है, उन्होंने कहा कि पदाधिकारी एवं एक्टिव कार्यकर्ता सम्मान समारोह को सफल बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद रहकर प्रतिभाओं की हौसला आफजाई करेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

JITO की प्रदर्शनी में दिखा लोगों का वैज्ञानिक जैन शोध में उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित 'जीतो कनेक्ट 2023' की प्रदर्शनी हॉल न. 2 में आयोजित की गई। इसमें एक बूथ (न.143) 'जैन अकेडमी ऑफ स्कोलर्स' का भी रहा जिस पर आगंतुकों का अच्छा उत्साह दिखा । इस संस्था का रजिस्टर्ड ऑफिस अहमदाबाद में है। यह संस्था पिछले तीन वर्षों से कार्यरत है तथा इसमें देश-विदेश के लगभग 80 जैन वैज्ञानिक, डॉक्टर, प्रोफेसर और विद्वान जुड़े हुए हैं. संस्था के अध्यक्ष प्रसिद्ध इसरो वैज्ञानिक डॉ नरेंद्र भंडारी तथा सेक्रेटरी डॉ सुरेंद्र सिंह पोखरना हैं। संस्था के जोइंट सेक्रेटरी डॉ अनिल कुमार जैन (जयपुर) ने बताया कि दुनियाँ में अनेक ऐसी खोज हो रही हैं जिनका सीधा संबंध जैन सिद्धांतों से है। सन् 2016 तथा 2018 में दो नोबल पुरस्कार रात्रि भोजन त्याग और लम्बे उपवासों से संबंधित थे। जैन धर्म के अनेक सिद्धांत वैज्ञानिकों को कुछ नई दिशा प्रदान करने में सक्षम है। लेकिन हम जैनों की यह कमी रही कि हम उन्हें विश्व पटल पर अपेक्षित तरीके से रख नहीं सके। इस संस्था का उद्देश्य है कि ऐसे वैज्ञानिक सिद्धांतों को विश्व के समक्ष रखें तथा जैन धर्म को विज्ञान की भाषा में प्रस्तुत किया जाये. वरिष्ठ सदस्य डॉ सुषमा सिंघवी ने बताया कि अकादमी के सदस्यों द्वारा अनेक पुस्तकें लिखी गई हैं जिनमें जैन दर्शन के सैद्धान्तिक और व्यवहारिक विषयों की वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्याख्या की गई है, जो आज अत्यंत प्रासंगिक हैं। निखिल शाह, पूर्वी दवे और उदयन मकवाना ने विस्तार से बताया कि यह संस्था अहिंसा के प्रचार के कार्य में भी संलग्न है।

नेट थिएट पर तबले की तिरकिट

उंगलिया थिरकी तो तबले का दाया बाया बोल उठे

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज युवा तबला कलाकार आदित्य सिंह राठौड़ ने तबले पर अपनी उंगलियों पर ऐसा जादू बिखेरा की दर्शक वाह-वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की कलाकार आदित्य सिंह ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत ताल- तीन ताल 16 मात्रा में तबला वादन कर की। इसके पश्चात उन्होंने पेशकार, घरानों के कायदे, रेला, टूकड़ा, गत फरमाइशी गत,व परने, द्रुत लय आदि पेश की। इसके बाद आदित्य ने फर्श बंदी,फरमाइशी चक्रधार गत, बजाकर लोगों की वाही वाही लूटी। कलाकार आदित्य राठौर ने तबले की प्रारंभिक शिक्षा अपने नाना और गुरु पं.गिरधारी महाराज से ली जो कि एक जाने-माने कथक गुरु और तबला वादक हैं। इसके बाद उन्होंने अपने मामा कौशल कांत से भी तबले की शिक्षा ग्रहण की। उन्हें बचपन से ही संगीत का माहौल मिला। इनके साथ नगमे पर रमेश मेवाल ने असरदार संगत कर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन आर डी अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रकाश व्यवस्था मनोज स्वामी, कैमरा अनिल मारवाड़ी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच सज्जा जीवितेश शर्मा एवं अंकित शर्मा नोनू की रही।

हम जो काम करें उसमें स्व के साथ पर का भी कल्याण होना चाहिए :आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। स्थानीय कमल मंदिर में विराजमान आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि जिंदगी में जो कार्य कर रहे हैं उसको करने का कारण मात्र स्व की प्रशंसा, अपना हित, अपनी सुरक्षा, अपनी व्यवस्था मात्र यही है तो समझना कि आप अच्छा कार्य नहीं कर रहे। हम जो काम करें उसमें स्व के साथ पर का भी कल्याण होना चाहिए, अपने साथ दूसरों को सुख देने वाला होना चाहिए जब तक हम राग द्वेष नहीं छोड़ेंगे, तब तक कितने ही शास्त्र पढ़ ले हमारा कल्याण नहीं होने वाला, यह बात जीवन में उतार ले की उलझने तेरी मिट जाएगी तो उलझना छोड़ दे, भड़काने तेरी मिट जाएगी तू भटकना छोड़ दे, आप स्वयं उलझ और भटक रहे हैं किसी और के द्वारा नहीं पैदा की गई हम वह कार्य करते ही क्यों है जो हमें उलझाए, जीवन को नष्ट भ्रष्ट न करें उसे संकल्प और संस्कार में बनाएं, मंजिल आपको बता दी गई है, लेकिन पहुंचाना आपको पड़ेगा अपने जीवन को कल्याण में बनाने के लिए आंखों से अच्छी चीज देखिए, हाथों से अच्छे कार्य कीजिए और पैरों से मोक्ष मार्ग के रास्ते पर चलें। आए हुए सभी धर्मावलंबियो ने धर्म लाभ लिया आचार्य श्री ने अपना मंगल आशीर्वाद दिया।

रोटी छोड़ने वाले के पीछे रोटी घुमती है: आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज

आज होगी विद्वानों की संगोष्ठी। श्री समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का 15 से शुभारंभ होगाः विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जो रोटी छोड़ता है उसी के पीछे रोटी घुमती है जो रोटी के पीछे घूमते हैं रोटी उनको नसीब नहीं होती जिन्होंने सब कुछ छोड़ दिया उनके चरणों में सब कुछ लोग समर्पित करते चले जाते हैं प्रकृति का नियम है जो आप त्यागगे वह आपको सहज ही प्राप्त होगा त्याग के चर्चाओ में धीरे-धीरे चातुर्मास भी उतार की ओर जा रहा है जिनके वैभव को देखने देव आते हैं जिनकी धर्म सभा को स्वयं कुबेर आकर तैयार करता है ऐसी धर्म से तीर्थंकर भगवान अपनी वाणी से सभी को उपकृत करते चले जाते हैं।

समवशरण कैसा होता है उसमें क्या-क्या वैभव होता है

संसार में सब कुछ पुण्य से मिलता है जो कुछ भी आप पंच कल्याणक महोत्सव में देखते हैं वह सब पुण्य की महिमा है उक्त आशय के उद्गार आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

समवशरण में बैठकर महा पूजन करने का लेंगे पुण्य लाभ

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर

जी महाराज के आशीर्वाद व आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भइया के मार्गदर्शन में 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक श्री चौबीस समवशरण विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें चौबीस समवशरण का भव्य निर्माण किया जा रहा है जिसमें सौधर्म इन्द्र कुबेर इन्द्र के साथ ही चक्रवर्ती सहित प्रमुख पद निर्धारित किए जायेंगे जो समवशरण में बैठकर पूजन का आनंद लेंगे इसके साथ ही सामान्य इन्द्र इन्द्रणी इस महा महोत्सव में शामिल हो धर्म लाभ ले सकेंगे इस दौरान युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि कल सम्यक ज्ञान शतक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आमंत्रित विद्वान अपने आलेख का वचन करेंगे समवशरण विधान में सभी से भाग लेने काअनुरोध समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक उमेश सिघई आदि ने की है।

भौतिक चकाचौंध से दूर होकर ध्यान किया जाता है

आचार्यश्री कहाकि आज ध्यान हर व्यक्ति करना चाहता है करता भी है लेकिन उसके लिए आवश्यक तैयारियां कोई नहीं करना चाहता ध्यान कैसे करना इन सब बातों को पहले अच्छी तरह से समझना होगा जहां भौतिक साधन ना हो भौतिक संसाधनों से दूर एकांत में ध्यान किया जाता है मन को पवित्र

बनाने के साथ शरीर की शुद्धि भी ध्यान करने में सहायक बनेगी ये सब आपको हम बता चुके हैं एक बार एक व्यक्ति आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पास आया और बहुत धीरे धीरे बात करते हुए कहता है कि आचार्य श्री मैं ध्यान करना चाहता था ध्यान को बैठा तो मेरा सर फटा जा रहा है आचार्य श्री ने उसकी बात सुनकर कहा कि आप क्या खाकर आये है वह कहता अंडे खाकर आया हूं तब आचार्य श्री उसे समझाया कि जब आप अपने पेट में दूसरे जीवों को रखें है फिर ध्यान करना चाहते हैं ये सम्भव नहीं है उन्होंने उसे समझाया कि हर चीज की एक विधि होती है ध्यान के पहले शरीर की शुद्धि के साथ ही सब तरह से वातावरण को भी प्रस्त किया जाता है उसको समझाया वह धीरे-धीरे ठीक हो गया तो ध्यान के लिए अनुकुल वातावरण की आवश्यकता होती है ।

मनीष सक्सेना स्टेट एनिमल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान सरकार द्वारा आदेश जारी कर एनिमल वेलफेयर बोर्ड आफ इंडिया के प्रतिनिधि एवं वर्ल्ड संगठन के निदेशक राष्ट्रीय प्राणी मित्र पुरस्कार विजेता एडवोकेट मनीष सक्सेना को राजस्थान स्टेट एनिमल वेलफेयर बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि एडवोकेट मनीष सक्सेना पिछले 25 वर्षों से राज्य में पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण एवं जीव जंतु कल्याण हेतु सक्रिय रूप से कार्यरत हैं । वर्तमान में सक्सेना वर्ल्ड संगठन के निदेशक तथा एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के प्रतिनिधि के पद पर राजस्थान राज्य में कार्यरत हैं । इसके अतिरिक्त मनीष सक्सेना भारत सरकार के वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पशुओं पर परीक्षण के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजनार्थ समिति को भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। एडवोकेट मनीष सक्सेना को अंतरराष्ट्रीय संगठन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर एनिमल प्रोटेक्शन, संयुक्त राष्ट्र वैश्विक संचार विभाग, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा तथा संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद द्वारा भारत में पशु अधिकारों से संबंधित विधिक मामलों के निरीक्षण एवं विधि कार्रवाई हेतु अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। एडवोकेट मनीष सक्सेना द्वारा पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण तथा पशु कल्याण के क्षेत्र में पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से किए गए उत्कृष्ट योगदान एवं सेवाओं को देखते हुए राजस्थान सरकार, भारत सरकार तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा उन्हें अनेकों बार सम्मानित किया गया तथा उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा वन विभाग का मानद् वन्यजीव प्रतिपालक एवं राज्य के विभिन्न जिलों में गठित पशु क्रूरता निवारण समितियो का सदस्य भी मनोनीत किया गया है ।राज्य के सैकड़ो पशु प्रेमियों एवं पशु कल्याण संगठनों, अधिवक्ता संघो तथा कायस्थ समाज ने मनीष सक्सेना की नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया का आभार व्यक्त किया ।

एडवोकेट मनीष सक्सेना द्वारा पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण तथा पशु कल्याण के क्षेत्र में पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से किए गए उत्कृष्ट योगदान एवं सेवाओं को देखते हुए राजस्थान सरकार, भारत सरकार तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा उन्हें अनेकों बार सम्मानित किया गया...

लकवा (brain strock) क्यों आता है? इससे कैसे बच सकते हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

अगर लकवा ब्रेनस्टोक से आप बचना चाहते हैं तो हमेशा अपने आप को प्रकृति से कनेक्ट रखिए, हरी पत्तियों का जूस पीजिए, फल सलाद सब्जियां खाईए, अंकुरित अनाज खाईए, भीगा हुआ नट्स खाईए। धरती से अपने को कनैक्शन रखिये, धरती से हमें इलेक्ट्रॉन मिलता है। घास पर पैदल चलिए मिट्टी पर पैदल चलिए जितना हो सके मिट्टी से कनेक्ट रखिए इलेक्ट्रॉन हमारे बॉडी में जितना जाएगा उतना ही हमारी बॉडी स्वस्थ होगी। हमारे बॉडी को पांच तत्वों का बैलेंस ही स्वस्थ रखता है हवा आकाश सूर्य की रोशनी पानी और धरती। कोई भी धरती पर खड़ा नहीं है धरती और इंसान के बीच में चप्पल जूता आ गया है धरती से सब लोग डिस्कनेक्ट है। हमारी बॉडी इलेक्ट्रिक बॉडी है इसलिए हमें धरती से जुड़े रहना चाहिए जिससे हमारे लिए इलेक्ट्रॉन की पूर्ति हो सके। हरे पत्तों का जूस पीते रहे, क्योंकि हरे पत्तियों में क्लोरोफिल होता है क्लोरोफील हमारे बॉडी का बहुत बड़ा मैकेनिक है इंजीनियर है यह सब कुछ बनाना जानता है, क्लोरोफिल हीमोग्लोबिन बनता है, पांच तत्वों का बैलेंस करता है। आप जानते हैं पशु पक्षी जानवर घास खाते हैं और उनके अंदर सब कुछ क्लोरोफिल बना देता है। इसके साथ ही साथ फल सलाद सब्जियां भरपूर मात्रा में खाते रहने से कभी जिंदगी में लकवा नहीं होता खून का सरकुलेशन पूरी तरह सही तरीके से काम करता है। आप रात को खाना खाने के बाद सोते वक्त

नाखून के बराबर हल्दी अदरक और लहसुन खाते रहने से ब्लड हमारा पूरी तरह साफ हो जाता है, यह ब्लड थिनर है , जब यह तीनों मिलता है तो ब्लड थिनर का काम करता है , अदरक हल्दी लहसुन नाखून के बराबर खाना है। फैक्ट्री का बंद पैकेट व बाहर का खाना बिल्कुल बंद कर देना चाहिए, दुध और दुध से बनी चीज बद कर देनी चाहिए, घर का खाना और फल फूल सलाद खाते रहने से कोई भी बीमारी नहीं होती।

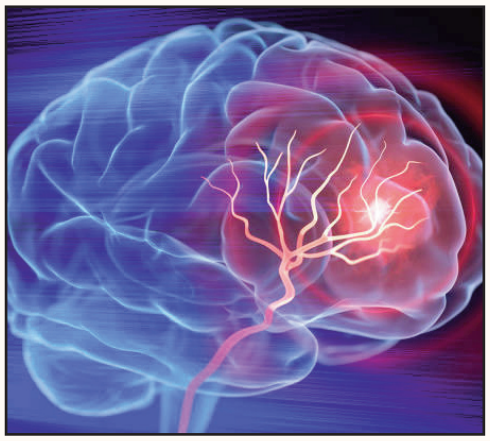

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल ने 100 व्यक्तियों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेवा सप्ताह के तहत डिस्ट्रिक्ट 3233 ए-1 के पंचानन कार्यक्रम में लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा प्रसादम कार्यक्रम में थड़ी मार्केट मानसरोवर की इंदिरा रसोई में 100 लोगों को निःशुल्क भोजन करवाया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष लॉयन रानी पाटनी, सचिव सुजाता , कोषाध्यक्ष मंजुपुरी, विजया, सुमित्रा, सरोज रूंगटा, मृदुला व शैल बाला ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी।

जयपुर एवं सीकर संभाग के प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। शनिवार को शासन सचिवालय में जयपुर एवं सीकर संभाग के प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की आगामी विधानसभा चूनाव पूर्व समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव गृह श्री आनन्द कुमार ने कहा कि

पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी समन्वय के साथ मतदान केन्द्रों का संयुक्त भ्रमण करें तथा संवेदनशील क्षेत्रों में लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें। ताकि आम मतदाता निर्भीक होकर मतदान कर सकें। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल व संसाधन उपलब्ध रहेंगे, इनका समुचित उपयोग किया जाए। श्री आनन्द कुमार ने कहा कि चुनाव निष्पक्ष व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी प्रभावी तरीके से की जाए। उन्होंने अवैध शराब की जब्ती, लाईसेंसधारी शस्त्रों के जमा करने एवं नगदी के आवागमन को रोकने के लिए चुनाव आयोग एवं निर्धारित कानून के दायरे में प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

सकल जैन समाज की 51 संस्थाओं ने किया अभिनन्दन राजस्थान श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं सदस्य मनीष मेहता का

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गये पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शनिवार को भट्टारक जी की नसियां में अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर बोर्ड के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं सदस्य मनीष मेहता का समाज की 51 संस्थाओं की ओर से अभिनन्दन किया गया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल एवम सदस्य सीए मनीष मेहता सहित श्रीमती ऋतु कासलीवाल तथा श्रीमती संगीता मेहता का तिलक, माला, दुपट्टा, शाल एवं साफा पहनाकर तथा गुलदस्ता एवं प्रतीक चिन्ह भेट कर अभिनंदन किया एवं शुभकामनाएं दीं। तोतूका सभागार में उपस्थित जैन बन्धुओं ने कासलीवाल एवं मेहता को मालाओं से लाद दिया। इस मौके पर सभागार भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर कासलीवाल ने अपने उदबोधन में श्रमण संस्कृति बोर्ड के उद्देश्यों एवं

बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन श्रमण संस्कृति की रक्षा एवं समाज के कल्याण हेतु सुझाव देने के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक तीन सदस्यीय कमेटियां बनाई जाएगी। प्राचीन शास्त्र एवं जिनवाणी आदि की सूचियां तैयार करवाई जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त करते हुए सम्पूर्ण समाज का भी आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सदस्य मनीष मेहता ने भगवान महावीर की वाणी को जन जन तक पहुचाने का सभी से आव्हान किया। कोटा के एडिशनल एस पी पवन जैन तथा नगर निगम ग्रेटर के उप महापौर पुनीत कर्णावट ने भी उदबोधन दिया। समारोह में राजस्थान जैन सभा सहित दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी,श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद, राजस्थान जैन युवा महासभा, श्री वीर सेवक मण्डल, दिगम्बर जैन महासमिति, श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, टोडर मल स्मारक, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन धर्म संरक्षिणी एवं तीर्थ संरक्षिणी महासभा,श्री दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, कूकस, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जैन सोश्यल ग्रुप्स सहित 51 जैन संस्थाओं एवं मंदिर कमेटियों द्वारा अभिनन्दन किया गया। समारोह में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, संयुक्त मंत्री भानू छाबड़ा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, मीना चौधरी सहित कार्यकारिणी सदस्यों सहित उमराव मल संघी, ज्ञान चन्द झांझरी, कमल बाबू जैन, उपमहापौर पुनीत कर्णावट, संजय बापना, महेश काला, धर्म चन्द पहाडियां, अशोक जैन नेता, सुरेन्द्र पाण्डया, सुनील बख्शी, पदम बिलाला, राजेश बड़जात्या, विनोद छाबड़ा मोनू, भाग चन्द मित्रपुरा, यश कमल अजमेरा, निर्मल संघी, राकेश गोदीका, कमल सरावगी, अभिषेक बिट्टू, भारतभूषण जैन, राजा बाबू गोधा, डॉ शीला जैन, शीला डोड्या, पुष्पा सोगानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई। मीना चौधरी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मंच संचालन महामंत्री मनीष बैद ने किया। समारोह के संयोजक राकेश छाबड़ा ने आभार व्यक्त किया।